

पूलि तवि त्तविका सनिधियोजना

यह लेख में बहुत ही समस्याएं हैं। कृपया इसे बेहतर बनाने में मदद करें या चर्चा पृष्ठ पर इन मुद्दों पर चर्चा करें। (इन टेम्पलेट संदेशों को कैसे और कब हटाएं जानें)

सत्यापन के लिए इस लेख हेतु अतिरिक्त उद्धरणों की आवश्यकता है। (नवंबर 2015)

इस लेख को अद्यतन करने की आवश्यकता है। (नवंबर 2015)

पूलित वित्त विकास निधियोजना देश भारत केन्द्र सरकार द्वारा पूल वित्त विकास निधियोजना (PFDF)

की स्थापना की गई है। सरकार के अधिकारियों का मुख्य उद्देश्य शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) को उनकी ऋण योग्यता के आधार पर ऋण वृद्धि की सुविधाएं प्रदान करना है। यह उन्हें राज्य स्तर के पूल किए गए तंत्र के माध्यम से बाजार उधार लेने की अनुमति देगा। पीएफडीएफ शहरी बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए शहरी स्थानीय निकायों को संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है और अंततः आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करना है। अंतर्वस्तु 1। पृष्ठ भूमि पीएफडीएफ के 2 उद्देश्य 3 SPFE के लिए दिशानिर्देश 4

बाहरी लिंक पृष्ठ भूमि भारत में विकास दर जो प्रत्येक वित्तीय वर्ष परिलक्षित होती है, बढ़े पैमाने पर शहरी क्षेत्रों और शहरों में विकास से प्रेरित होती है। भारत में ग्रामीण क्षेत्र में सीमित क्षमता है, जो प्रमुख रूप से कृषि पर निर्भर है। इसके अलावा, राष्ट्रीय गरीबी के स्तर में निरंतर गिरावट को बढ़े पैमाने पर शहरी शहरों के आधार पर निर्धारित किया जा रहा है। शहरी स्थानीय निकाय शहरी बुनियादी ढांचे के विकास परियोजनाओं के बहुमत के लिए जिम्मेदार हैं। वे बढ़े पैमाने पर या तो राज्य सरकारों या स्थानीय एजेंसियों द्वारा प्रदान किए गए धन पर निर्भर हैं। इन स्थानीय निकायों में खराब प्रशासन ऐसी परियोजनाओं के वित्तपोषण में बाधा उत्पन्न करता है। वे ढांचागत परियोजनाओं में निवेश के लिए बाजार / वित्तीय संस्थानों से संसाधन जुटाने में असमर्थ हैं। केन्द्र और राज्य सरकारों के मौजूदा कार्यक्रमों के बावजूद,

ऐसी परियोजनाओं के लिए धन की आवश्यकताओं की उपलब्धता और सीमा के बीच एक निरंतर अंतराल था, जो आमतौर पर छोटे और मध्यम आकार के शहरों में पाए जाते थे। इस प्रकार, सरकार को ऐसे शहरों के लिए पूंजी बाजार तक सीधे पहुंच प्रदान करने की आवश्यकता का एहसास हुआ। स्थानीय निकायों को आत्मनिर्भर बनाने और हर समय संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, सरकार ने पूलित वित्त विकास निधियोजना शुरू की।

PFDF

के उद्देश्य आर्थिक विकास और शक्तिका विकेंद्रीकरण। ढांचागत सुविधाओं में सुधार और शहरों में टिकाऊ सार्वजनिक संपत्ति बनाना। समग्र वित्तीय परिदृश्य में सुधार के लिए शहरी स्थानीय निकायों के लिए संसाधन जनित योजनाओं को बढ़ावा देना। SPFE

के लिए दिशानिर्देश यह खंड किसी भी स्रोत का हवाला नहीं देता है। कृपया विश्वसनीय स्रोतों में उद्धरण जोड़कर इस अनुभाग को बेहतर बनाने में सहायता करें। बिना सूत्रों की सामग्री को चुनौति देकर हटाया जा सकता है। (अगस्त 2019) (इस टेम्पलेट संदेश को कैसे और कब हटाएं जानें)

शहरी स्थानीय निकायों को आवश्यक नगर निगम के बुनियादी ढांचे में निवेश के लिए पूंजी और वित्तीय बाजार तक पहुंच बनाने की सुविधा। उपयुक्त ऋण वृद्धि उपायों के साथ और मौजूदा महंगे ऋणों के पुनर्गठन के माध्यम से स्थानीय निकायों को उधार लेने की लागत को कम करें। नगरपालिका बॉन्ड बाजार के विकास को सुगम बनाना। बैंक बल शहरी अवसंरचना परियोजनाओं के विकास की सुविधा। एसपीएफई की जिम्मेदारियां शहरी ढांचागत विकास परियोजनाओं में नगरपालिकाओं /

शहरी स्थानीय निकायों के साथ निकट सहयोग और सहयोग में काम करें। व्यवहार्यता और प्राथमिकता के आधार पर परियोजनाओं का चयन करें। मान्यता प्राप्त क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा परियोजनाओं के लिए मूल्यांकन प्राप्त करें ताकि मैं बड़ा निवेश आकर्षित कर सकूँ। परियोजनाओं में निवेश के लिए बांड जारी करने और धन पुनर्निर्देशित करने के माध्यम से संसाधनों को जुटाना। यूएलबी के बॉन्ड खरीदें या उन्हें उप-ऋण प्रदान करें। क्रेडिट रेटिंग एन्हांसमेंट फंड (सीआरईएफ)

की स्थापना और प्रबंधन। केंद्र सरकार और ULB /

नगरपालिका के साथ उचित समझौतों पर हस्ताक्षर करें। ऐसी परियोजनाएँ तैयार करें जो तकनीकी और आर्थिक रूप से स्थिर हों और पर्यावरणीय मानदंडों के अनुरूप हों।